# विषय – इतिहास
# Syllabus (पाठ्यक्रम)

संकल्पनाएँ, विचार तथा अवधियाँ

भारतवर्ष
सभा–समिति
वर्णाश्रम
पूरूषार्थ
रीना
संस्कार
यज्ञ / पंचमहायज्ञ
कर्म का सिद्धांत
दण्डनीति / अर्थशास्त्र
सप्तांग
धर्मविजय
स्तूप / चैत्य / विहार
नागर / द्राविड़ / वेसरा
बोधिसत्व / तीर्थकर
आलवार / नयनार
श्रेणी
कार / विष्टि
स्त्रीधन
स्मारक प्रस्तर
अग्रहार
खिलाफत
सुलह–इ–कुल
महाराष्ट्र–धर्म
तुर्का–इ–चहलघनी
पतन
परमोच्च शक्ति
द्वैधशाश्सन (द्विशासन)
संघवाद
उपयोगितावाद
फिल्टर सिद्धांत
अग्रवर्ती नीति
राज्यलोप नीति
सत्याग्रह
बलूता
इकता
जज्तिया
मदद–इ–माश
अमरम
राय–रेखो
जनगम
चौथ
हुण्डी (विनिमय पत्र)
सर्राफ
पोलेगर
जागीर
दस्तूर
मंसब (ओहदा) मनसब
देशमुख
नाडु
परगना
बंगाल वैष्णव धर्म
अल्त मर्घा
शाहना–इ–मण्डी
वणिकत्ववाद
आर्थिक राष्ट्रीयता
भारतीय पुनर्जागरण
आर्थिक निष्कासन
उपनिवेशवाद
सम्प्रदायवाद
प्राच्यवाद
अ–औद्योगीकरण
सहायक संधि (मैत्री)
शुभसंदेशवाद
भूदान
पंचशील
मिश्रित अर्थव्यवस्था

स्वदेशी
पुनः प्रवर्तनवाद
आमजन / दलितजन

भारतीय वामपक्ष
हिन्दु कोड बिल

प्राचीन भारतीय इतिहास
स्त्रोत :

पुरातत्वीय स्त्रोत
खोज उत्खनन, पुरालेखविधा, मुद्राशास्त्र, स्मारक
साहित्यिक स्त्रोत
स्वदेशी : प्राथमिक तथा गौण : काल–निर्धारण की समस्याएँ, मिथक, आख्यान, काव्य, वैज्ञानिक
साहित्य, क्षेत्रीय भाषाओं में साहित्य, धार्मिक साहित्य।
विदेशी विवरण : यूनानी चीन तथा अरब लेखक।

प्रागैतिहास तथा आद्य इतिहास (बाणभट्ट एवं कल्हण का ऐतिहासिक लेखन)

मानव तथा पर्यावरण : भौगोलिक कारक, आखेट तथा संग्रह ( पुरापाषण तथा मध्यपाषाण); कृषि का प्रारम्भ (नव–पाषाण तथा ताम्र–पाषाण)

सिन्धु घाटी की सभ्यता : उद्गम, तारीख, विस्तार, लक्षण, पतन, उत्तरजीविता (अवशेष) तथा महत्व। लौह युग; द्वितीय शहरीकरण।

वैदिक काल

प्रवास तथा बस्तियाँ; वैदिक काल (पूर्व एवं उत्तर) निर्धारण, साहित्यक तथा पुरातत्वीय साक्ष्य; सामाजिक तथा आर्थिक राजनीतिक संस्थाओं का विकास; धार्मिक तथा दार्शनिक विचार, अनुष्ठान तथा पद्धतियाँ।

महाजनपद काल

राज्यों (महाजनपद) का निर्माण; गणराज्य तथा राजतंत्र; शहरी केन्द्रों का उदय; व्यापार–मार्ग; आर्थिक संवृद्धि; सिक्कों का प्रचलन; जैन धर्म और बौद्ध धर्म का विस्तार (फैलना); मगध तथा नन्दों का उदय।

ईरान तथा मेसेडोनीया के आक्रमण और उनका प्रभाव।

मौर्य साम्राज्य

मौर्य साम्राज्य की स्थापना, चन्द्रगुप्त, कौटिल्य तथा अर्थशास्त्र; अशोक; धर्म की संकल्पना; राजादेश; ब्रह्मी तथा खरोष्ठी लिपियाँ।

प्रशासन; अर्थव्यवस्था; वास्तुकला तथा मूर्तिकला; बाहरी सम्पर्क।

साम्राज्य का विघटन; शुंग तथा कण्व।

मौर्योत्तर काल (भारत–ग्रीक, शक, कुषाण, पश्चिमी क्षत्रप)

बाहरी दुनियाँ से सम्पर्क; शहरी केन्द्रों का विकास; अर्थव्यवस्था, सिक्का, धर्मो का विकास, महायान, सामाजिक दशाएँ, कला तथा वस्तुकला, साहित्य तथा विज्ञान।

राज्य तथा समाज की प्रारम्भिक स्थिति– पूर्वी भारत, दक्कन तथा दक्षिण भारत में

खारवेल, सातवाहन, संगम युग के तमिल राज्य, प्रशासन, अर्थव्यवस्था, भू–प्रदान, सिक्के, व्यापार संघ तथा शहरी केन्द्र, बौद्ध केन्द्र, संगम साहित्य तथा संस्कृति; कला तथा वास्तुकला क्षेत्रीय कला।

गुप्त सम्राट तथा भारत के क्षेत्रीय राज्य

गुप्त और वाकटंक, हर्ष, प्रशासन, आर्थिक स्थिति, गुप्त सम्राटों के सिक्के; भू–प्रदान, शहरी केन्द्रों का पतन, भारतीय सामन्तवाद, जातिप्रथा; महिलाओं की स्थिति, शिक्षा तथा शैक्षिक संस्थाएँ– नालंदा, विक्रमशिला और वल्लभी, पड़ोसी देशों से सम्पर्क–मध्य एशिया, दक्षिण–पूर्व एशिया तथा चीन, संस्कृत साहित्य, साहित्य, कला तथा वास्तुकला। गुप्त कालीन धार्मिक प्रवृत्तियाँ, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी।

कदम्ब, गंग, पल्लव, और बदामी के चालुक्य– प्रशासन, व्यापार संघ, संस्कृत साहित्य तथा क्षेत्रीय भाषाओं और लिपियों का विकास : वैष्णव और शैव धर्मो का विकास, तमिल भक्ति आन्दोलन; शंकराचार्य–वेदांत; मंदिर तथा मंदिर वास्तुकला की संस्थाएँ।

कामरूप के वर्मन : पाल और सेन, राष्ट्रकूट, प्रतिहार, कलचुरी के चेदि; परमार; गुजरात के चालुक्य, अरब के साथ संबंध : गजनवी विजय, अल्बरूनी।

कल्याण के चालुक्य, चोल, चेर, होसला, पांड्य : प्रशासन तथा स्थानीय सरकार, कला तथा वास्तुकला का विकास, धार्मिक पंथ (सम्प्रदाय), मंदिर और मठ संस्था, अग्रहार, शिक्षा तथा साहित्य, अर्थव्यवस्था तथा समाज, श्रीलंका और दक्षिण–पूर्व एशिया से सम्पर्क।

मध्यकालीन भारतीय इतिहास

स्त्रोत

पुरातत्व, पुरालेख और सिक्काशास्त्र संबंधी सामग्री और स्मारक।
इतिवृत्त।
साहित्यिक स्त्रोत– फारसी, संस्कृत और क्षेत्रीय भाषाएँ।
पुरालेख सामग्री।
विदेशी यात्री–वृत्तांत।
मिन्हाज–उस–सिराज, जियाउद्दीन बर्नी, बँदायूनी का इतिहास लेखन।

राजनीतिक विकास

सल्तनत–गोरी तुर्क, खलजी, तुगलक, सैयद और लोदी।
मुगल साम्राज्य की नींव– बाबर, हुमायूँ और सूरी; अकबर से औरंगजेब तक राज्य विस्तार।
मुगल साम्राज्य का पतन– राजनीतिक, प्रशासनिक और आर्थिक कारण।
बाद के मुगल और मुगल साम्राज्य का विघटन।
विजयनगर और बहमनी राज्य– उत्थान, विस्तार और विघटन।
मराठा आन्दोलन, शिवाजी द्वारा स्वराज की नींव; पेशवाओं के अधीन इसका विस्तार; मराठा
राज्यमंडल– पतन के कारण।
मुगलों के अमीर तथा राजपूतों से संबंध।
अकबर से औरंगजेब तक धार्मिक नीति।

प्रशासन

सल्तनत के अधीन प्रशासन : असैनिक, न्यायिक, राजस्व, राजकोषीय और सैनिक।
शेरशाह के प्रशासनिक सुधार; मुगल प्रशासन : भू–राजस्व और आय के अन्य स्त्रोत; मनसबदारी और जागीरदारी।
दक्कन में प्रशासन पद्धति– विजयनगर, बहमन राज्य और मराठा।

आर्थिक पक्ष

कृषि उत्पादन– ग्रामीण अर्थव्यवस्था; कृषक वर्ग
शहरी केन्द्र और जनसंख्या।
उद्योग–सूती वस्त्र उद्योग, हस्तशिल्प, कृषि–आधारित उद्योग; संगठन, कारखाना, प्रौद्योगिकी।
व्यापार और वाणिज्य–राज्य की नीतियाँ, आन्तरिक और बाह्य व्यापार; यूरोपीय व्यापार, व्याापर केन्द्र और पतन, परिवहन और संचार।
वित्तीयन व्यापार, वाणिज्य और उद्योग; हुण्डी (विनिमय पत्र) और बीमा।
मुद्रा।

सामाजिक–धार्मिक आन्दोलन

सूफी– उनके धार्मिक संघ, विश्वास और पद्धतियाँ, प्रख्यात सूफी संत।
भक्ति सम्प्रदाय– शैववाद और उसकी शाखाएँ; वैष्णववाद और उसकी शाखाएँ।
मध्यकालीन संत– उत्तर और दक्षिण– उनका सामाजिक–राजनीतिक और धार्मिक जीवन पर प्रभाव।
सिख आन्दोलन– गुरू नानक देव और उनके उपदेश और साधना; आदि ग्रथ; खालसा।

समाज

वर्गीकरण– शासक वर्ग, प्रमुख धार्मिक वर्ग, व्यापारी और व्यावसायिक वर्ग।
ग्रामीण समाज– छोटे सामन्त, ग्राम कर्मचारी, कृषक और गैर–कृषक वर्ग, शिल्पकार।
महिलाओं की स्थिति।

सांस्कृतिक जीवन

शैक्षिक पद्धति और उसकी अभिप्रेरणा।
साहित्य– फारसी, संस्कृत और क्षेत्रीय भाषाएँ।
ललित कलाएँ– चित्रकारी के प्रमुख स्कूल; संगीत।
उत्तर और दक्षिण भारत का वास्तुपरक विकास; भारतीय इस्लामिक वास्तुकला।

आधुनिक भारतीय इतिहास

स्त्रोत तथा इतिहासशास्त्र

पुरालेखी सामग्री, जीवनी तथा संस्मरण, समाचार–पत्र।
मौखिक साक्ष्य, सृजनात्मक साहित्य तथा चित्रकला।
आधुनिक भारतीय इतिहासशास्त्र की समस्याएँ–साम्राज्यवादी, राष्ट्रवादी, मार्क्सवादी तथा मध्यवर्ती।

ब्रिटिश शक्ति का उदय

17 वीं और 18 वीं शताब्दियों में भारत में यूरोपीय व्यापरी–पुर्तगाली, डच, फ्रांसीसी तथा ब्रिटिश।

भारत में ब्रिटिश शासन की स्थापना तथा विस्तार।

भारत की प्रमुख शक्तियों के साथ ब्रिटिश संबंध और उनका आधुनिकीकरण––बंगाल , अवध, हैदराबाद मैसूर मराठा तथा सिख।

कम्पनी तथा राजा (क्राउन) का प्रशासन

ईस्ट इंडिया कम्पनी के अधीन मध्य तथा प्रान्तीय ढाँचे का विकास, 1773–1853

कम्पनी तथा क्राउन के अधीन परमोच्च शक्ति, सिविल सेवा, न्यायिक, पुलिस सेवा तथा सेना।

स्थानीय स्वशासन

संवैधानिक परिवर्तन, 1909–0935

आर्थिक इतिहास

व्यापार का बदलता हुआ संघटन, व्यापार का आयाम तथा दिशा, 'दि ट्रिब्यूट'।

कृषि का विस्तार तथा वाणिज्यीकरण, भूमि संबंधी अधिकार, भूमि बंदोबस्त ग्रामीण ऋण ग्रस्तता, भूमिहीन मजदूर।

उद्योगों का पतन : कारीगरों की बदलती हूई सामाजिक–आर्थिक दशाएँ; अशहरीकरण।

औद्योगिक नीति : प्रमुख आधुनिक उद्योग; फैक्टरी कानून का स्वरूप; श्रमिक तथा मजदूर संघ के आन्दोलन।

मौद्रिक नीति : बैकिंग; मुद्रा तथा विनिमय; रेलवे तथा सड़क परिवहन।

नए शहरी केन्द्रों का विकास; शहर आयोजन तथा वास्तुकला की नई विशेषताएँ।

दुर्भिक्ष तथा महामारी और सरकार की नीतिं

आर्थिक विचार : इंग्लिश उपयोगितावादी : भारतीय आर्थिक इतिहासकार; निकास सिद्धांत।

..... भारतीय समाज

ईसाई धर्म से सम्पर्क : मिशन; भारतीय सामाजिक तथा आर्थिक पद्धतियों एवं धार्मिक विश्वासों की समीक्षा, शैक्षणिक तथा अन्य गतिविधियाँ।

नई शिक्षा– सरकारी नीति; स्तर तथा विषय; अंग्रेजी भाषा; आधुनिक विज्ञान; शिक्षा में भारतीय पहल।

राजा राममोहन राय; सामाजिक–धार्मिक सुधार; मध्यवर्ग का उदय; जाति संघ तथा जाति गतिशीलता ।

महिलाओं का प्रश्न– राष्ट्रवादी कथनः महिला संगठन; महिलाओं से सम्बन्धित ब्रिटिश कानून; संविधानिक स्थिति।

मुद्रणालय(प्रिटिंग प्रेस) – पत्रकारिता सम्बंधी गतिविध तथा जनमत।

भारतीय भाषाओं तथा साहित्यिक रूपों का आधुनिकीकरण : चित्रकला का पुनर्विन्यास, संगीत तथा प्रदर्शन कलाएँ।

राष्ट्रीय आन्दोलन

भारतीय राष्ट्रीयता का उदय राष्ट्रीयता सामाजिक तथा आर्थिक आधार।
1857 का विद्रोह तथा भिन्न–भिन्न सामाजिक वर्ग।
जनजातीय तथा किसान आन्दोलन।
भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की विचारधारा तथा कार्यक्रम, 1885–1920
स्वदेशी आन्दोलन की प्रवृत्तियाँ।
भारत तथा विदेश में भारतीय क्रांतिकारियों की विचारधारा एवं कार्यक्रम।
गाँधी जन–आन्दोलन।
जस्टिस पार्टी (न्याय दल) की विचारधारा तथा कार्यक्रम।
वामपंथी राजनीति।
दलित वर्ग का आन्दोलन।
साम्प्रदायिक राजनीति तथा पाकिस्तान का उद्भव।
स्वाधीनता तथा विभाजन की ओर।

स्वांन्त्योत्तर भारत (1947–1964)

विभाजन के बाद पुनर्वास।
भारतीय राज्यों का एकीकरण :कश्मीर का प्रश्न।
भारतीय संविधान का निर्माण।
नौकरशाही तथा पुलीस का ढाँचा।
जनांकिकीय प्रवृत्तियाँ।
आर्थिक नीतियाँ तथा योजना प्रकिया।
राज्यों का भाषावैज्ञानिक पुनर्गठन।
विदेश नीति संबंधी पहल कार्य।

संसार के इतिहास : संकलपनाएँ, विचार तथा अवधियाँ

इतिहास की पूर्व
दफनाने की प्रथाएँ
मदर–गोडेस
विधि संहिताएँ (लॉ कोड)
एथेन्सी लोकतंत्र
रोम साम्राज्य
दासता
अभिजात–तंत्र
कन्फयूशियनवाद
जमीदारी प्रथा
ब्लैक डेथ
सामंतवाद
मानवतावाद
प्रबुद्ध स्वेच्छाचारिता
दैवी अधिकार
राष्ट्रराज्य
पुनर्जागरण
धर्म–सुधार
डार्विनवाद
विश्वव्यापी मंदी (1929)
नारी अधिकारवाद
तटस्थता
संसदीय लोकतंत्र
फाँसीवाद
राष्ट्रमंडल
साम्राज्यवाद
समाजवाद
शक्ति संतुलन
रंगभेद
मानव के अधिकार

चर्च की सर्वोच्चता
पवित्र रोमन साम्राज्य
सामाजिक अनुबंध तथा सामान्य इच्छा
शीत युद्ध
पश्च–आधुनिकतावाद और विश्व शांति के प्रयास
पूर्वी समस्या श्वेत मनुष्यों का भार

इतिहास में अनुसंधान

इतिहास के क्षेत्र तथा मूल्य
इतिहास में वस्तुनिष्ठता तथा अभिनति
इतिहास और इसके सहायक विज्ञान
समाजशास्त्र, राजनीति विज्ञान, अर्थशास्त्र, हिन्दी साहित्य, भूगोल, पुरातत्व, दर्शन शास्त्र, मनोविज्ञान के साथ संबंध।
अनुसंधान का क्षेत्र–प्रस्तावित।
अनुसंधान के प्रस्तावित क्षेत्र में स्त्रोत–प्राथमिक/द्वितीयक
अनुसंधान के अनुसंधानकारी क्षेत्र में आधुनिक इतिहास लेखन।
क्षेत्रिय इतिहास का महत्व
भारतीय इतिहास की हाल की प्रवृत्तियाँ
शोध विधियाँ।

# Syllabus of History

## CONCEPTS, IDEAS AND TERMS

Bharatvarsha
Sabha and Samiti
Varnasrama
Purusharthas
Rina
Samskaras
Yajna (Panch mahayagya)
Doctrine of Karma
Dandaniti/Arthasastra
Saptanga
Dharmavijaya
Stupa/Chaitya/Viharas
Nagara/Dravida/Vesra
Bodhisattva/Tirthankara
Alvars/Nayanars
Sreni
Chauth
Hundi (Bils of Exchange)
Sarraf
Polygars
Jagir
Dastur
Mansab (Rank)
Deshmukh
Nadu
Pargana
Bengal vaishnavism
Alt magha
Shahna-i-Mandi
Mercantilism
Economic Nationalism
Indian Renaissance
Economic Drain
Colonialism
Paramountcy
Suboltern
Kara/Vishti
Stridhana
Memorial stones
Agraharas
Khilafat
Sulah-i-kul
Maharashtra-dharma
Turkan-i-chahlghani
Watan
Baluta
Iqta
Jizyah
Madad-i-maash
Amaram
Raya-Rekho
Jangama
Dyarchy
Federalism
utilitarianism
Filtration Theory
Forward Policy
Doctrine of Lapse
Satyagraha
Swadeshi
Revivalism
Communalism
Orientalism
De-industrialisation
Subsidiary Alliance
Evangelicalism
Bhudan
Panchsheel
Mixed Economy
Indian Left
Hindu Code Bill

# ANCIENT INDIAN HISTORY

## Sources :

Archeological Sources

Exploration, excavation, epigraphy, numismatic, monuments

Literary Sources

Indigenous : primary and Secondary- Problem of dating, myths, legends, poetry, scientific literature, literature in regional languages, religious literature.

Foreign accounts : Greek, Chinese and Arab writers.

Historigraphy of Banbhat and Kalhan.

## Pre-history and Proto-history

Man and Environment- geographical factors. Hunting and gathering (Paleolithic and Mesolithic) : Beginning of agriculture (Neolithic and Chalcolithic).

Indus Valley Civilization-origin, date, extent, characteristics, decline, survival and significance.

Iron age : Second urbanisation.

## Vedic period

Migrations and Early later settlements: dating the vedic, literary and archaeological evidences, evolution of social and political institutions : religious and philosophical ideas, rituals and practices.

## Period of Mahajanapadas

Formation of States (Mahajanapadas) : Republic and Monarchies : rise of urban centers : trade routers : economic growth : introduction of coinage : spread of Jainism and Buddhism : rise of magadha and Nandas.

Iranian and Macedonian Invasions and their impact.

## Mauryan Empire

Foundation of the Mauryan Empire, Chandragupta, Kautilya and Artthashastra : Ashoka, : Concept of Dharma : Edicts : Brahmi and Kharosthi scripts.

Administration : economy : architecture and sculpture, Regional Art, external contacts.

Disintegration of the empire : Sungas and Kanvas.

Post-Mauryan Period (Indo-Greeks, Sakas, Kushanas, Western Kshatrapas) Contact with outside world : growth of urban centres, economy, coinage, development of religions, Mahayana, social conditions, art and architecture, Literature and science.

Early state and society-in Eastern Indian, Deccan and South India

Kharavela, the Satavahanas, Tamil State of the Sangam Age, Administration : economy, land grants, coinage, trade guilds and urban centres, Buddhist centres, Sangam literature and culture : art and architecture.

## Imperial Guptas and Regional States of India

Guptas and Vakatakas, Harasha, Administration, economic conditions, coinage of the Guptas, land grants, decline of urban centers, Indian feudalism, caste system, position of women, education and educational institutions – Nalanda, Vikramshila and Vallabhi, contact with neighboring countries- Central Asia, South-East Asia and China Sanskrit literature, scientific literature, art and architecture. Religious Trends in gupta period.

## Science & Technology

The Kadambas, Gangas, Pallavas and Chalukyas of Badami-Administration. trade guilds Sanskrit literature and growth of regional languages and scripts: growth of Vaishnava and Saiva religions. Tamil Bhakti Movement, Shankaracharaya-Vedanta : Institutions of temple and temple architecture.

Varmanas of kamrup ; Palas and Senas, Rashtrakutas, Pratiharas, Kalachuri-Chedis: Paramaras : Chalukyas of Gujarat ; Arab contacts- Ghaznavi Conquest, Alberuni.

the Chalukyas of Kalyana, Cholas, Cheras, Hoysalas, Pandyas-Administration and local Government, growth of art and architecture, religious sects, Institution of temple and Mathas, Agraharas, education and literature, economy and society, contact with Sri Lanka and South-East Asia.

## MEDIEVAL INDIAN HISTORY

## Sources

Archaeological, epigraphic and numismatic materials and monuments. Chronicles.

Literary sources- Persian, Sanskrit and Regional languages.

Archival materials.

Foreign travelers' accounts.

Historigraphy of UInhaz –Us- Siroj, jia-uddin Barni and badayani.

## Political Developments

The Sultanate- the Ghorids, the Turks, the Khaljis, the Tughlaqs. The Sayyids and the Lodis.

Foundation of the Mughal Empire-Babur, Humayun and the Suris expansion from Akbar to Aurangzeb.Decline of hte Mughal empire – political, administrative and economic causes.

Later Mughals and disintegration of the Mughal Empire.

The Vijayanagara and the Bahmanis-rise, expansion and disintegration. the Maratha movement, the foundation of Swaraj by Shivaji : its expansion under the the Peshwas; Maratha Confederacy-cause of decline. Mughal Relations the nobility and the Rajputs Religious Policy from Akbar to Aurangzeb.

## Administration

Administration Under the Sultanate-civil, judicial, revenue, fiscal and military.

Sher Shah's administrative reforms; Mughal administration- land revenue and other sources of income ; Mansabdari and jagiradari.

Administrative system in the Deccan – the Vijayanagara, the Bahmanis and the Marathas.

## Economic Aspects

Agricultural Production – Village economy ; peasantry.

Urban centers and population.

Industries- cotton textiles, handicrafts, agro-based industries, organization. Factories, technology.

Trade and commerce- State polices, internal and external trade ; European trade, trade centers and ports, transport and communication. Financing trade, commerce and industries; Hundi ( Bills of Exchange) and Insurance. currency.

## Socio-religious Movements

The Sufis- their ordes, beliefs and practices, the leading Sufi saints. Bhakti cult-Shaivism and its branhes; vaishnavism and its branches. The saits of the medieval period-north and south – their impact on socio-political and religious life.

TheSikh movement-Guru Nanak dev and his teachings and practices, Adi Granth ; the Khalsa.

## Society

Clasification-ruling class, major religious groups, the mercantile and professional classes.

Rural Society- petty chieftains, village officials, cultivators and non-cultivation classes, artisans.

Position of women.

Cultural life

System of Educational and its motivations.

Literature – Persian, Sanskrit and Regional languages.

Fine arts- major schools of paining; music.

Achitectural developments of North and south India;indo-Islamic architecture.

4 MODERN INDIAN HISTORY

## Sources and Historiography:

Archival materials, biographies and memories, newspapers.

Oral evidence, creative literature and painting.

Concerns in Modern Indian Historiography- Imperialist, Nationalist, Marxist and Subaltern, Orientatlists .

Rise of British Power

European traders in India in the $17^{th}$ and $18^{th}$ centuries – Portuguese,

Dutch,French and the British.

The establishment and expansion of British dominion in India.

British relations with and subjugation of the principal Indian Powers – Bengal Oudh, Hyderabad, Mysore, Marathas and the Shikhs.

Administration of the Company and Crown

Evolution of central and provincial structure under the East india Company, 1773-1853.

Paramountcy, Civil Service, Judiciary, Police and the Army under the

Company and Crown.

Local Self-Government

Constitutional changes, 1909-1935.

Economic History

Changing compositon, volume and direction of trade ; 'The Tribute'.

Expansion and commercialization of agriculture, land rights, land

Settlements, rural indebtedness, landless labour.

Decline of industries – changing socio-economic conditions of artisans ;

De-urbanisations ;

British Industrial Policy : major modern industries of factory legislation; labour and trade union movements. De- Indurstrialisation.

Monetary policy, banking, currency and exchange, Railways and Road

Transport.

Growth of new urban centres ; new features of town planning and

Architecture.

Famines, and epidemics and the government policy.

Economic Thought – English utilitarians ; Indian economic historians ;

The Drain theory.

Indian Society in Transition

Contact with Christianity – the Missions ; critique of Indian social and

Economic practices and religious beliefs ; educational and other activities.

The New Education – Government policy ; levels and contents ; English

Language ; modern science ; Indian initiatives in education.

Raja Rammohan Roy ; socio-religious reforms ; emergence of middle class ;

Caste associations and caste mobility.

Womens's Question – Nationalist Discourse ; Women's Organisations ;

British legislation concerning women ; Constitutional position.

The Printing Press – journalistic ativity and the public opinion.

Modernisation of Indian languages and literary forms – reorientation in

Painting, music and performing arts.

National Movement

Rise of Indian nationalism, Social and economic bases of nationalism.

Revoli of 1857 and different social classes.

Tribal and peasant movements.

Ideologies and programmes of the Indian National Congress. 1885-1920.

Trends in Swadeshi movement.

Ideology and programme of indian revolutionaries in India and abroad.

Gandhian Mass Movements

Ideology and Programme of the Justice Party.

Left Wing Politics.

Movement of the Depressed Classes.

Communal political and genesis of Partition.

Towards Independence and partition.

India after Independence (1947-1964)

Rehabilitation after Partition.

Integration of the Indian States : The Kashmir Question.

The making of the Indian Constitution

The structure of Bureaucracy and the Policy

The demographic trends.

Economic policies and yhe Planinig process.

Linguistic reorganization of States .

Foreign policy initiatives

World History : concept, Ideas and Terms

Pre-history
Burial practices
Mother-Goddess
Law codes
Athenian democracy
Imperial Rome
Slavery
Aristocracy
Confucianism
Manorial system
Black Death
Feudalism
Humanism
Enlightened despotism
Divine Right
Supremacy of Church
Holy Roman Empire
Social contact and General Will
Nation States
Renaissance
Reformation
Darwinism
Great Depression (1929)
Feminism
Non-alignment
Parliamentary Democracy
Nazism
Fasizim
Commonwealth
Imperialism
Socialism
Balance of Power
Apartheid
Rights of Man
Cold War
Post-modernism
Eastern Question White men's Burden.

Research in History

Scope and value of History

Objectivity and Bias in History

History and its auxiliary sciences

Relation with Sociology, Political-Science Economics Hindi Literature, Geography, Archeology, Philosophy, Psychology

Area of research – proposed

Sources – Primary / secondary in the proposed area of research

Modern Historical Writing in the researcher’s area of research